1	2
3. Development of Dry Farming.	Rs. 2.16 crores
4. Rural Works Programme.	Rs. 20 crores
5. Area Development—Scheme for development of infra-structure facilities like roads, regulated markets etc.	Rs. 3 corers
6. Crash Seheme for rural employment.	Rs. 50 crores
7. Special provision for programmes for the educated unemployment (including engineers and technicians)	Rs. 25 crores

The above provision is exclusive of the amounts to be spent during the year on various other development programmes undertaken by the Central and the State Governments in and outside the IV Plan, which will, *inter-alia* generate, increasing employment opportunities.

इंडोनेशिया के विदेश मन्त्री के साथ बातचीत

746. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या विदेश मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्होंने गत अगस्त में अपने इंडोनेशिया की यात्रा के समय वहां के विदेश मन्त्री के साथ बंगला देश के बारे में बातचीत की थी तथा इंडोनेशिया के साथ उसी प्रकार की सन्धि करने जैसी कि रूस के साथ की गई है, के बारे मे भी बात-चीत की थी , और

(ख) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में पूर्ण तथ्य क्या है तथा इस पर इंडोनेशिया सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

विदेश मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह : (क) और (ख). अगस्त 1971 में इंडोनेशिया की यात्रा के दौरान विदेश मंत्री ने इंडोनेशिया के विदेश मन्त्री से बंगला देश की स्थिति के बारे में विचार-विमर्श किया था । इस सम्बन्ध में, यात्रा के बाद जारी की गई संयुक्त विज्ञप्ति कृपया देखें । इंडोनेशिया के साथ भारत-सोवियत संधि जैसी किसी संधि पर हस्ताक्षर करने की बात न तो सोची गई और न हुई ही है ।

पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई के बारे में अमरीका को विरोध पत्र

747. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी** : क्या विदेश मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत ने विरोध पत्र भेज कर अमरीका को कह दिया है कि भारत सरकार पाकिस्तान को हथियारों की सप्लाई को "शत्रुतापूर्ण" कार्य मानती है ; और

(ख) यदि हां, तो इस पर अमरीका सरकार की क्या प्रतिक्रिया है तथा इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

विदेश मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) 27 जून, 1971 को संयुक्त राज्य अमरीका के राजदूतावास को एक लिखित पत्र भेजा गया था जिसमें अमरीका द्वारा पाकिस्तान को हथियार देने पर भारत सरकार की ओर से चिन्ता व्यक्त की गई थी ।

(ख) अमरीका सरकार ने पाकिस्तान को हथियार देने की बात को इस आधार पर न्यायसंगत बताया है कि वह पाकिस्तान से कुछ लाभ उठाना चाहता है ।

किन्तु 9 नवम्बर, 1971 को अमरीकी सरकार ने घोषणा की कि वह बकाया लाइसेंसों को रद्द कर रही है ।

विदेशियों द्वारा भारत की यात्रा

748. **श्री वीरेन्द्र सिंह राव** : क्या विदेश मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले छः महीने में भारत आने

विदेशी राष्ट्रों के प्रतिनिधियों का ब्यौरा क्या है ;

(ख) भारत सरकार के प्रतिनिधियों और विदेशी प्रतिनिधियों के मध्य हुई बातचीत किस प्रकार की थी ; और

(ग) बंगला देश की समस्या के प्रश्न पर उनकी बातचीत का क्या परिणाम निकला ?

विदेश मन्त्रालय में उप मन्त्री (श्री सुरेन्द्र पाल सिंह) : (क) से (ग). पूर्ण विवरण सदन की मेज पर रख दिया गया है। [पुस्तकालय में रख दिया गया। देखिये संख्या एल० टी०—1032/71]

U.S S.R.-Egypt Communique

749. SHRI BIRENDER SINGH RAO : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether joint communique of USSR-Egypt issued by those countries in October, 1971 after Indo-USSR treaty, was contrary to India stand on Bangla Desh ; and

(b) if so, the reaction of Government of India thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SARI SURENDRA PAL SINGH) : (a) The joint communique issued at the end of President Sadat's visit to Moscow in October, 1971 makes no mention of Bangla Desh or India.

(b) Does not arise.

Foreign Help for Refugees

750 SHRI AMAR NATH CHAWLA :
SHRI SAMAR GUHA :
SHRI BHAGIRATH BHANWAR :

Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state :

(a) the names of the countries which had extended their help financially and otherwise for the refugees from Bangla Desh ;

(b) the extent of help promised by each country ;

(c) how far these countries have fulfilled their offer or promise ; and

(d) the reaction of Government in cases where the help offered was more but the help actually provided was negligible ?

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHADILKAR) : (a) and (b). A statement showing the offers of assistance received from foreign Governments, UN Agencies and Voluntary organisations, as per information received by the Department of Rehabilitation upto 15-11-1971, is laid on the Table of the House. [*Placed in Library. See* No. LT—1033/71].

(c) Government has received aid in cash amounting to Rs. 10.78 crores from the foreign countries. Besides the aid in cash, the Government have also received aid in kind from the foreign countries in the form of food stuffs (rice, edible oil, sugar), shelter material, vehicles, medical supplies etc. The value of foreign assistance actually received by us including the cash so far is about Rs. 50 to 55 crores. The rest is currently on the high seas and is expected to arrive in the next few months.

(d) Government are helpful of receiving promised aid from various countries/agencies shortly.

Views of Foreign Countries on Indo-Soviet Treaty

751. SHRI AMAR NATH CHAWLA : Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state :

(a) the names of countries which have appreciated the signing of Indo-Soviet Treaty of Peace, Friendship and Cooperation ;

(b) whether some countries have assailed this Treaty and if so, their names ; and

(c) the reaction of Government thereto ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI SURENDRA PAL SINGH) : (a) and (b). Government are not aware of any country having assailed the Indo-Soviet Treaty of Peace, Friendship and Cooperation.

There has been general appreciation by the international community that the Treaty